# FACULTY OF LANGUAGES

**SYLLABUS**

**Of**

**Hindi**

**For**

**Bachelor of Arts**

**(HONOURS)**

**(Semester -V)**

**(Under Continuous Evaluation System)**

**(12+3 System of Education)**

**Session: 2025-26**

# The Heritage Institution

# KANYA MAHAVIDYALAYA

# JALANDHAR

# (Autonomous)

# PG DEPARTMENT OF HINDI
# Session 2025-26
# Programme: Bachelor of Arts
# Hindi (HONOURS)
# (Semester v )

## Programme Specific outcomes-

**PSO1:** मिस्टर अभिमन्यु एवं गबन का विस्तृत अध्ययन

**PSO2:** हिंदी नाटक का उद्भव ,विकास, स्वरूप तथा प्रकार का गहन ज्ञान,मिस्टर अभिमन्यु का तात्विक विवेचन, वर्तमान समय की चुनौतियों का युवा वर्ग के संदर्भ में विवेचन, सामाजिक राजनीतिक परिवेश, उद्देश्य और भाषा शैली का अध्ययन

**PSO3:** उपन्यास का उद्भव, विकास,स्वरूप,प्रकार के अतिरिक्त प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय का ज्ञान। गबन की विषयवस्तु, चरित्र,उद्देश्य,भाषा शैली की गूढ़ अर्थवत्ता तथा मध्यवर्गीय परिवार की प्रदर्शन प्रवृत्ति एवं सामाजिक समस्याओं का विश्लेषण।

**PSO4:** भारतीय काव्यशास्त्र की अवधारणा एवं सिद्धांतों की जानकारी।आधुनिक हिंदी समीक्षा का अर्थ,स्वरूप और प्रकार का ज्ञान, प्रतीक, बिम्ब का सूक्ष्म अध्ययन।

**PSO5:** संपर्क भाषा एवं राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी का अध्ययन तथा राजभाषा के रूप में हिंदी की चुनौतियों और समाधान का गहन अध्ययन।

# SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATION OF THREE YEAR DEGREE PROGRAMME

## PG DEPARTMENT OF HINDI

## Session 2025-26
## Bachelor of Arts
## SEMESTER –V
## HINDI (HONOURS)

| Bachelor of Arts Semester V | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Course Code** | **Course Name** | **Course Type** | **Marks** | | | | **Examination time (in Hours)** |
| | | | **Total** | **Ext.** | | **CA** | |
| | | | | **L** | **P** | | |
| BARL-5569 | **HINDI (HONOURS)** (आधुनिक हिन्दी नाटक एवं उपन्यास) | E | 100 | 80 | - | 20 | 3 |

## PG DEPARTMENT OF HINDI

## Session 2025-26

**PROGRAMME - Bachelor of Arts**

**(Semester-V)**

## COURSE TITLE: HINDI (HONOURS)

## (आधुनिक हिन्दी नाटक एवं उपन्यास)

**Course Code: BARL-5569**

**Course Outcomes :**

**इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :**

**CO- 1** हिंदी रंगमंच और नाटक के विकास क्रम का परिचय के साथ मिस्टर अभिमन्यु नाटक की विस्तृत जानकारी ।

**CO-2** समकालीन सामाजिक यथार्थ और मानव -मूल्यों के प्रतिपादन में विधा के रूप में नाटक के सामर्थ्य की जानकारी। हिंदी के प्रख्यात नाटककार डॉ.लक्ष्मीनारायण लाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचय ।

**CO-3** हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास ,तत्वों एवं प्रकारों की विशिष्ट जानकारी |हिंदी रंगमंच और उपन्यास के विकास क्रम के परिचय के साथ गबन उपन्यास की विस्तृत जानकारी ।

**CO-4** मुंशी प्रेमचंद की औपन्यासिक शैली से परिचय। मध्यवर्गीय सामाजिक जीवन की विसंगतियों के निरूपण में प्रेमचंद की सिद्धहस्तता एवं लेखकीय चेतना का ज्ञान। मानवीय मन के अंतर्द्वंद तथा वैयक्तिक और सामाजिक मूल्यों के संघर्ष के प्रति अपेक्षित दृष्टिकोण का विकास ।

## PG DEPARTMENT OF HINDI

## Session 2025-26

**PROGRAMME - Bachelor of Arts**

**(Semester-V)**

## COURSE TITLE: HINDI (HONOURS)

## (आधुनिक हिन्दी नाटक एवं उपन्यास)

**Course Code: BARL-5569**

Total-100
CA- 20
TH-80

समय:तीन घंटे

**परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :**

**यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है I परीक्षक द्वारा प्रत्येक भाग में से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे I कुल आठ प्रश्न पूछने हैं I परीक्षक प्रत्येक प्रश्न के दो ,तीन अथवा अधिकतम चार उपभाग कर सकता है I परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्न करने हैं I प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा और पांचवां प्रश्न परीक्षार्थी किसी भी भाग से कर सकता हैI प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का होगा I**

**व्याख्या के लिए निर्धारित परिक्षेत्र**

मिस्टर अभिमन्यु – लक्ष्मीनारायण लाल )नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,नई दिल्ली (
गबन – मुंशी प्रेमचंद )राजकमल प्रकाशन ,दिल्ली (

## इकाई-एक

हिंदी नाटक : उदभव और विकास ,स्वरुप ,तत्व और प्रकार|

## इकाई -दो

नाटक की विषय – वस्तु एवं प्रतिपादय,पात्र एवं चरित्र -चित्रण ,वर्तमान समय की चुनौतियाँ और युवा वर्ग ,सामाजिक और राजनीतिक परिवेश की विसंगतियां ,उद्देश्य एवं भाषा शैली   से सम्बधित प्रश्न |

## इकाई -तीन

हिंदी उपन्यास  :उद्भव और विकास,स्वरुप ,तत्व और प्रकार

## इकाई -चार

मुंशी प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय और उपन्यास की विषय, वस्तु-पात्र एवं चरित्र,चित्रण-मध्यवर्गीय समाज में प्रदर्शन की प्रवृत्ति एवं अन्य सामाजिक समस्याओं ,उद्देश्य ,भाषा शैली पर आधारित सामान्य प्रश्न |

# FACULTY OF LANGUAGES

**SYLLABUS**

**Of**

**Hindi**

**For**

**Bachelor of Arts**

**(HONOURS)**

**(Semester -VI)**

**(Under Continuous Evaluation System)**

**(12+3 System of Education)**

**Session: 2025-26**

# The Heritage Institution

# KANYA MAHAVIDYALAYA

# JALANDHAR

# (Autonomous)

## SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATION OF THREE YEAR DEGREE PROGRAMME

## PG DEPARTMENT OF HINDI

## Session 2025-26
## Bachelor of Arts
## SEMESTER –VI
## HINDI (HONOURS)

| Bachelor of Arts<br>Semester VI | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Course Code** | **Course Name** | **Course Type** | **Marks** | | | | **Examination time (in Hours)** |
| | | | **Total** | **Ext.** | | **CA** | |
| | | | | **L** | **P** | | |
| BARL-6569 | **HINDI (HONOURS)** (भारतीय काव्य शास्त्र एवं आधुनिक आलोचना की प्रवृत्तियाँ) | E | 100 | 80 | - | 20 | 3 |

# PG DEPARTMENT OF HINDI
# Session 2025-26
# Programme: Bachelor of Arts
# (Semester VI)
## COURSE TITLE-Hindi(HONOURS)
## (भारतीय काव्यशास्त्र एवं आधुनिक आलोचना की प्रवृत्तियाँ)
## Course Code: BARL-6569

**Course Outcomes :**

**इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :**

**CO-1** भारतीय काव्यशास्त्र की अवधारणा की जानकारी |

**CO- 2** आधुनिक समीक्षा के स्वरूप और प्रकारों के प्रारम्भिक परिचय से आलोचनात्मक दृष्टि का विकास |

**CO-3** भाषा की सामर्थ्य को बढ़ाने में प्रतीक और बिम्ब के प्रयोग की आवश्यकता एवं इनके वैविध्य से परिचय |

**CO- 4** भाषा के रूप में हिन्दी की व्यापकता ,इसके सामर्थ्य के साथ-साथ हिन्दी की चुनौतियों और समस्याओं का ज्ञान |

# PG DEPARTMENT OF HINDI
## Session 2025-26
## Programme: Bachelor of Arts
## (Semester VI)
## COURSE TITLE-Hindi(HONOURS)
## (भारतीय काव्यशास्त्र एवं आधुनिक आलोचना की प्रवृत्तियाँ)
## Course Code: BARL-6569

Total-100

समय:तीन घंटे

CA- 20
TH-80

**परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :**

**यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। परीक्षक द्वारा प्रत्येक भाग में से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे। कुल आठ प्रश्न पूछने हैं। परीक्षक प्रत्येक प्रश्न के दो ,तीन अथवा अधिकतम चार उपभाग कर सकता है। परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्न करने हैं। प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा और पांचवां प्रश्न परीक्षार्थी किसी भी भाग से कर सकता है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का होगा।**

### इकाई-एक

भारतीय काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय

भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत-अलंकार,रीति,ध्वनि और रस का संक्षिप्त परिचय |

### इकाई -दो

आधुनिक हिन्दी समीक्षा- अर्थ,स्वरूप,प्रमुख प्रकार

### इकाई-तीन

प्रतीक -स्वरूप,भेद

बिम्ब- स्वरूप,भेद

## इकाई -चार

राष्ट्रभाषा/सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी - विशेषताएं और समस्याएं

राजभाषा के रूप में हिन्दी की चुनौतियां और समाधान